श्री आदिवराह स्तोत्रं (भूदेवी कृतं)

श्री आदिवराह स्तोत्रं (भूदेवी कृतं)

धरण्युवाच |
नमस्ते देवदेवेश वराहवदनाऽच्युत |
क्षीरसागरसंकाश वज्रशृंग महाभुज || 1 ||

उद्धृतास्मि त्वया देव कल्पादौ सागररांभसः |
सहस्रबाहुना विष्णो धारयामि जगंत्यहं || 2 ||

अनेकदिव्याभरणयज्ञसूत्रविराजित |
अरुणारुणांबरधर दिव्यरत्नविभूषित || 3 ||

उद्यद्भानुप्रतीकाशपादपद्म नमो नमः |
बालचंद्राभदंष्ट्राग्र महाबलपराक्रम || 4 ||

दिव्यचंदनलिप्तांग तप्तकांचनकुंडल |
इंद्रनीलमणिद्योतिहेमांगदविभूषित || 5 ||

वज्रदंष्ट्राग्रनिर्भिन्न हिरण्याक्ष महाबल |
पुंडरीकाभिताम्राक्ष सामस्वनमनोहर || 6 ||

श्रुतिसीमंतभूषात्मन् सर्वात्मन् चारुविक्रम |
चतुराननशंभुभ्यां वंदिताऽऽयतलोचन || 7 ||

सर्वविद्यामयाकार शब्दातीत नमो नमः |
आनंदविग्रहाऽनंत कालकाल नमो नमः || 8 ||

इति श्रीस्कंदपुराणे वेंकटाचलमाहात्म्ये भूदेवी कृत श्री आदिवराह स्तोत्रं ||